



The
ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily
NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR

For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT

PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED

Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...



Monday, July 27, 2026



+91 8434931877



www.achieversiaspatna.co.in

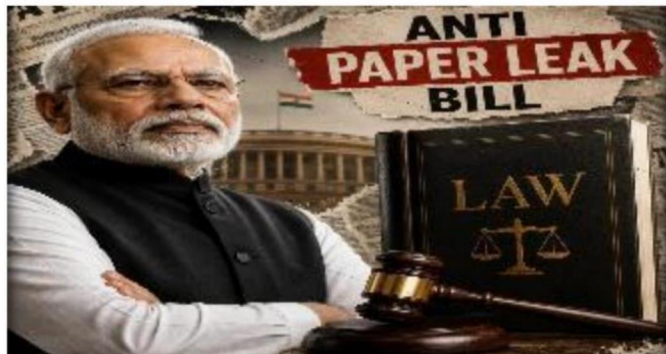


achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- मंत्रिमंडल ने कड़े जुमाने और फास्ट ट्रैक अदालतों के साथ सख्त पेपर लीक विरोधी विधेयक को मंजूरी दी।
- राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत-रोमानिया संबंधों के लिए बुखारेस्ट विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त की।
- मंत्रिमंडल ने केमिकल पार्क के विकास के लिए 3,030 करोड़ रुपये की भव्य रसायन योजना को मंजूरी दी।
- विश्वनाथन आनंद ने ड्वोरकोविच के निलंबन के बाद फिडे के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।
- बांग्लादेश के राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने इस्तीफा दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद ने अंतरिम कार्यभार संभाला।
- संयुक्त राष्ट्र ने वोल्कर तुर्क को चार साल के दूसरे कार्यकाल के लिए मानवाधिकार प्रमुख के रूप में फिर से नियुक्त किया।
- वेनेजुएला ने ग्लोबल साउथ के खिलाफ पूर्वाग्रह का हवाला देते हुए आईसीसी से हटना शुरू किया।
- बीएनपी पारिबा कार्डिफ इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।
- रघु वामसी एयरोस्पेस की योजना ₹600 करोड़ तेलंगाना सुपरअलॉय प्लांट निवेश की है।
- यूनेस्को ने सेबेस्टिया और माउंट अमेल महल को विरासत और खतरे की सूची में जोड़ा।
- धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा में अनियमितताओं के लिए शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दिया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सख्त पेपर लीक बिल को मंजूरी दी



- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पेपर लीक और संगठित परीक्षा कदाचार के खिलाफ सख्त दंड लागू करने के लिए सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 में संशोधन को मंजूरी दे दी है।
- प्रस्तावित संशोधनों में पेपर लीक के मामलों के त्वरित निपटान को सुनिश्चित करने के लिए 10 साल तक की कैद, 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने और वैधानिक फास्ट-ट्रैक अदालतों का प्रावधान है। इस विधेयक को अब संसद में पेश किया जाएगा।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के बारे में:

- सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, संगठित धोखाधड़ी, प्रतिक्रिया और अन्य अनुचित प्रथाओं को रोकने के लिए अधिनियमित किया गया था।

अधिनियम के तहत कवर की गई सार्वजनिक परीक्षाएं

यह अधिनियम निम्नलिखित परीक्षाओं पर लागू होता है:

- संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी)।
- कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी)।
- रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी)।
- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए)।
- बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस)।
- केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित कोई अन्य सार्वजनिक परीक्षा प्राधिकरण।

"अनुचित साधन" क्या होता है?

अधिनियम में शामिल करने के लिए अनुचित साधनों को परिभाषित किया गया है:

- प्रश्न पत्र या उत्तर कुंजी का रिसाव होना।
- परीक्षा पत्रों तक अनधिकृत पहुंच।

प्रतिरूपण।

- कंप्यूटर सिस्टम या परीक्षा सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़।
- मेरिट सूचियों में हेरफेर।
- फर्जी परीक्षा आयोजित करना।
- फर्जी एडमिट कार्ड या नियुक्ति पत्र जारी करना।
- मौद्रिक लाभ के लिए संगठित धोखाधड़ी।

प्रस्तावित संशोधन:

प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य मौजूदा कानून को मजबूत करना है:

- पेपर लीक के अपराधों के लिए सजा बढ़ाना।
- अधिकतम जुर्माना ₹1 करोड़ से बढ़ाकर ₹10 करोड़ कर दिया गया है।
- अपराधियों के लिए न्यूनतम 5 वर्ष की कैद निर्धारित करना।
- फास्ट-ट्रैक अदालतों को वैधानिक समर्थन प्रदान करना।
- तीन माह के भीतर पेपर लीक के मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

फास्ट-ट्रैक कोर्ट:

- फास्ट-ट्रैक कोर्ट विशिष्ट श्रेणियों के मामलों के त्वरित निपटान के लिए स्थापित विशेष अदालतें हैं।

उद्देश्य:

- लंबित मामलों को कम करना।
- समय पर न्याय देना।
- न्यायिक दक्षता में सुधार करना।
- गंभीर अपराधों के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य करना।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA):

- स्थापित : 2018
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- महानिदेशक: अभिषेक सिंह

आयोजित प्रमुख परीक्षाएं:

- नीट (यूजी)।
- जेईई मेन।

- सीयूईटी (यूजी और पीजी)
- यूजीसी-नेट
- एनसीईटी
- अन्य राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाएं

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC):

- संवैधानिक प्रावधान अनुच्छेद 315-323
- स्थापित : 1 अक्टूबर 1926 (लोक सेवा आयोग); 1950 से संवैधानिक दर्जा
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- चेयरपर्सन: अजय कुमार

कार्य:

- सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है।
- भर्ती परीक्षाएं आयोजित करता है।
- भर्ती और सेवा मामलों पर सरकार को सलाह देता है।

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी):

- स्थापित: 1975
- मुख्यालय: नई दिल्ली
- अध्यक्ष: S. गोपालकृष्णन
- मंत्रालय: कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी)

कार्य

- केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों में ग्रुप बी और ग्रुप सी के पदों पर भर्ती।

संवैधानिक प्रावधान:

- लेख: प्रावधान
- अनुच्छेद 315: लोक सेवा आयोग
- अनुच्छेद 320: लोक सेवा आयोगों के कार्य
- अनुच्छेद 14: कानून के समक्ष समानता
- अनुच्छेद 16: सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता

परीक्षा फोकस बिंदु:

- अधिनियम: सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024।
- उद्देश्य: पेपर लीक और परीक्षा कदाचार को रोकें।
- अधिकतम प्रस्तावित सजा: 10 साल की कैद।
- अधिकतम प्रस्तावित जुर्माना: ₹10 करोड़
- न्यूनतम प्रस्तावित कारावास: 5 वर्ष।
- नया प्रावधान: वैधानिक फास्ट-ट्रैक अदालतें।
- निपटाए जाने वाले मामले: तीन महीने।
- कवर की गई परीक्षाएं: यूपीएससी, एसएससी, एनटीए, आरआरबी, आईबीपीएस और अन्य अधिसूचित सार्वजनिक परीक्षाएं।
- संबंधित संवैधानिक लेख: 14, 16, 315, 320।

बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की



- रोमानिया की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनकी विशिष्ट सार्वजनिक सेवा, शिक्षा और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता

और भारत-रोमानिया संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज (एएसई) द्वारा प्रतिष्ठित डॉक्टर मानद उपाधि (मानद डॉक्टरेट) से सम्मानित किया गया।

- इस सम्मान को स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति ने इसे भारत के 1.4 अरब लोगों को समर्पित किया और शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

डॉक्टर ऑनोरिस कॉसा के बारे में:

- डॉक्टर मानद कौसा (मानद डॉक्टरेट) एक विश्वविद्यालय द्वारा सार्वजनिक सेवा, शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति, नेतृत्व, या अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान की जाने वाली सर्वोच्च मानद शैक्षणिक डिग्री है।

बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज (ASE) के बारे में:

- बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज (एएसई) अर्थशास्त्र, व्यवसाय और लोक प्रशासन में उच्च शिक्षा के लिए रोमानिया का प्रमुख संस्थान है।

• स्थापित: 1913
• स्थान: बुखारेस्ट, रोमानिया
• विशेषज्ञता: अर्थशास्त्र, व्यापार, लोक प्रशासन
• सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान: डॉक्टर मानद उपाधि

भारत-रोमानिया शैक्षिक सहयोग:

सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल हैं:

• छात्र विनिमय कार्यक्रम।
• संकाय आदान-प्रदान।
• संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएं।
• क्षमता निर्माण।
• छात्रवृत्ति।
• नवाचार और प्रौद्योगिकी।
• यांत्रिक बुद्धि।
• उच्च शिक्षा साझेदारी।
• आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम।

भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC):

- भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम भागीदार देशों के लिए भारत की प्रमुख क्षमता निर्माण पहल है।
- शुरू किया गया: 1964

कवर किए गए क्षेत्र:

• सूचना प्रौद्योगिकी।
• यांत्रिक बुद्धि।
• लोक प्रशासन।
• नवीकरणीय ऊर्जा।
• शासन।
• उद्यमिता।
• साइबर सुरक्षा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020:

राष्ट्रपति ने एनईपी 2020 के विजन का उल्लेख किया, जो निम्नलिखित को बढ़ावा देता है:

• उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण।
• अनुसंधान और नवाचार।
• शैक्षणिक सहयोग।
• बहु-विषयक शिक्षा।
• वैश्विक साझेदारी।
• कौशल विकास।

भारत-रोमानिया संबंध

- भारत और रोमानिया ने 1948 में राजनयिक संबंध स्थापित किए।

• सहयोग के प्रमुख क्षेत्र
• व्यापार और निवेश।
• विज्ञान और प्रौद्योगिकी।
• पढ़ाई।
• खेल।
• नवीकरणीय ऊर्जा।
• फार्मास्यूटिकल्स।
• सूचना प्रौद्योगिकी।
• कृषि।

महत्वपूर्ण व्यक्तित्व:

- रवींद्रनाथ टैगोर ने 1926 में बुखारेस्ट का दौरा किया और मानवता की एकता पर व्याख्यान दिया।
- रोमानियाई राष्ट्रीय कवि मिहाई एमिनेस्कु ने उपनिषदों और भगवद गीता का अध्ययन किया।
- रोमानियाई विद्वान मिर्सिया एलियाड ने कलकत्ता विश्वविद्यालय में संस्कृत और भारतीय दर्शन का अध्ययन किया।

रोमानिया के बारे में:

• राजधानी: बुखारेस्ट
• मुद्रा: रोमानियाई ल्यू (आरओएन)
• राष्ट्रपति: निकुसोर डैन

● प्रधान मंत्री: इली बोलोजन
● क्षेत्र: दक्षिणपूर्वी यूरोप
● नाटो के सदस्य: 2004 से
● यूरोपीय संघ के सदस्य: 2007 से

परीक्षा फोकस बिंदु:

● पुरस्कार: डॉक्टर ऑनोरिस कौसा (मानद डॉक्टरेट)।
● प्राप्तकर्ता: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।
● पुरस्कार देने वाला संस्थान: बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज (एएसई), रोमानिया।

● विश्वविद्यालय की स्थापना: 1913।
● देश: रोमानिया।
● राजधानी: बुखारेस्ट।
● आईटीईसी लॉन्च: 1964।
● द्वारा प्रशासित: विदेश मंत्रालय।
● संबंधित नीति: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020।
● भारत-रोमानिया राजनयिक संबंध: 1948।

मंत्रिमंडल ने तीन रासायनिक पार्कों के लिए 3,030 करोड़ रुपये की भव्य रसायन योजना को मंजूरी दी



● घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करें।
● रोजगार पैदा करना।
● पर्यावरण की दृष्टि से सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना।

प्रमुख बुनियादी ढांचा:

प्रत्येक केमिकल पार्क प्लग-एंड-प्ले बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा, जिसमें शामिल हैं:

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूरे भारत में तीन समर्पित रासायनिक पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन योजना को मंजूरी दे दी है।
- इस योजना का उद्देश्य प्लग-एंड-प्ले बुनियादी ढांचे के माध्यम से भारत के रासायनिक विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करना, घरेलू और विदेशी निवेश को आकर्षित करना, आयात निर्भरता को कम करना, निर्यात को बढ़ावा देना और सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना है। इसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई थी।

भव्य रसायन योजना के उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य है:

● विश्व स्तरीय रासायनिक विनिर्माण केंद्र विकसित करना।
● अपस्ट्रीम, डाउनस्ट्रीम और सहायक रासायनिक उद्योगों को मजबूत करें।
● रसद और उत्पादन लागत कम करें।
● आयात प्रतिस्थापन के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना।
● निर्यात बढ़ाना और भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) में एकीकृत करना।

● कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी)।
● उपचार, भंडारण और निपटान सुविधा (टीएसडीएफ)।
● खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाएं।
● जल आपूर्ति और वितरण प्रणाली।
● भाप उत्पादन और वितरण नेटवर्क।
● विलायक वसूली और आसवन सुविधाएं।
● इंटरकनेक्टेड पाइपलाइन नेटवर्क।
● रसद और भंडारण बुनियादी ढांचा।

केमिकल पार्क क्या है?

- केमिकल पार्क एक एकीकृत औद्योगिक क्लस्टर है जहां कई रासायनिक विनिर्माण इकाइयां साझा बुनियादी ढांचे और सामान्य उपयोगिताओं के साथ काम करती हैं।

लाभ

● कम बुनियादी ढांचे की लागत।
● बेहतर पर्यावरण अनुपालन।

- कुशल संसाधन उपयोग।
- बेहतर आपूर्ति श्रृंखला कनेक्टिविटी।
- बढ़ी हुई वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता।
- आसान निवेश और औद्योगिक विस्तार।

प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर:

- प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर रेडी-टू-यूज औद्योगिक सुविधाओं को संदर्भित करता है जहां कंपनियां न्यूनतम अतिरिक्त निवेश के साथ उत्पादन शुरू कर सकती हैं।

लाभ

- तेजी से परियोजना कार्यान्वयन।
- पूंजीगत व्यय में कमी।
- साझा उपयोगिताएँ।
- कम परिचालन लागत।
- व्यापार करने में आसानी में सुधार।

भारतीय रसायन उद्योग:

- भारत दुनिया में रसायनों का छठा सबसे बड़ा उत्पादक और एशिया में तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

महत्व

- सकल घरेलू उत्पाद के विनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- निर्यात का समर्थन करता है।
- कई उद्योगों को कच्चा माल प्रदान करता है।
- बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करता है।

प्रमुख उपयोगकर्ता उद्योग:

- कृषि।
- फार्मास्यूटिकल्स।
- कपड़ा।
- ऑटोमोबाइल।
- वाक्य-रचना।
- इलेक्ट्रॉनिक्स।
- न्यूट्रास्यूटिकल्स।
- उपभोक्ता वस्तुएं।

पर्यावरणीय बुनियादी ढांचा:

- यह योजना निम्नलिखित के माध्यम से सतत औद्योगिक विकास पर जोर देती है:

- सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्र (सीईटीपी)।
- खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन।
- उपचार, भंडारण और निपटान सुविधाएं (टीएसडीएफ)।
- प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली।
- संसाधन-कुशल विनिर्माण।

- इन सुविधाओं से उद्योगों को पर्यावरण नियमों का पालन करने और प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

चुनौती मार्ग:

- चैलेंज रूट के तहत, राज्य सरकारें पूर्वनिर्धारित मानदंडों के आधार पर प्रतिस्पर्धा करती हैं जैसे:

- भूमि की उपलब्धता।
- परियोजना की तत्परता।
- बुनियादी ढांचे की योजना।
- पर्यावरण अनुपालन।
- निवेश की संभावना।

- उच्चतम मानकों को पूरा करने वाले राज्यों को केन्द्रीय सहायता के लिए चुना जाता है।

वैश्विक मूल्य श्रृंखला (GVCs):

- एक वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) उत्पादन, प्रसंस्करण और वितरण के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को संदर्भित करता है जहां विनिर्माण के विभिन्न चरण कई देशों में होते हैं।

फायदे:

- उच्च निर्यात।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
- अधिक विदेशी निवेश।
- रोजगार सृजन।
- बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

- मुख्यालय: नई दिल्ली

- विभाग: रसायन और पेट्रोकेमिकल्स विभाग, उर्वरक विभाग, फार्मास्यूटिकल्स विभाग

अतिरिक्त तथ्य:

- कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी): सीईटीपी एक केंद्रीकृत सुविधा है जो डिस्चार्ज से पहले कई उद्योगों से औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार करती है।
- उपचार, भंडारण और निपटान सुविधा (टीएसडीएफ): टीएसडीएफ खतरनाक औद्योगिक कचरे के सुरक्षित उपचार, भंडारण और निपटान के लिए एक अधिकृत सुविधा है।

प्रमुख रसायन उत्पादक राज्य:

- गुजरात।
- महाराष्ट्र।
- तमिलनाडु।
- आंध्र प्रदेश।
- ओडिशा।

- स्कीम: भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य रसायन)।
- द्वारा स्वीकृत: केंद्रीय मंत्रिमंडल।
- वित्तीय परिव्यय: ₹3,030 करोड़
- रासायनिक पार्क: 3.
- अवधि: वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2030-31 तक।
- केंद्रीय अनुदान: प्रति पार्क ₹1,000 करोड़ तक।
- राज्य का न्यूनतम अंशदान: ₹500 करोड़
- चयन विधि: चैलेंज रूट।
- न्यूनतम भूमि की आवश्यकता: 8 वर्ग किमी (2,000 एकड़)।
- प्रमुख बुनियादी ढांचा: सीईटीपी, टीएसडीएफ, लॉजिस्टिक्स, पाइपलाइन नेटवर्क, वेयरहाउसिंग।
- संबंधित पहल: आत्मनिर्भर भारत।
- कार्यान्वयन मंत्रालय: रसायन और उर्वरक मंत्रालय।

परीक्षा फोकस बिंदु:

विश्वनाथन आनंद ने FIDE के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला



विश्वनाथन आनंद ने FIDE के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

- वह अंतरिम आधार पर अर्कडी ड्वोरकोविच की जगह लेंगे।
- ड्वोरकोविच ने यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के तहत रखे जाने के बाद स्वेच्छा से अपने कर्तव्यों को निलंबित कर दिया।
- आनंद 2022 से FIDE के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- वह तब तक अंतरिम अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे जब तक कि प्रतिबंध हटा नहीं दिए जाते या अन्यथा लागू नहीं हो जाते।
- FIDE राष्ट्रपति चुनाव 2026 उज्बेकिस्तान के समरकंद (सितंबर 2026) में FIDE कांग्रेस के दौरान निर्धारित हैं।

- विश्वनाथन आनंद, जिन्हें "विशी आनंद" के नाम से जाना जाता है, भारत के सबसे महान शतरंज खिलाड़ी हैं और विश्व शतरंज इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।

प्रमुख उपलब्धियां

- प्रथम भारतीय ग्रैंडमास्टर (1988)।
- पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन।
- पूर्व विश्व नंबर 1।
- वर्तमान FIDE अंतरिम अध्यक्ष (2026)।
- FIDE के पूर्व उपाध्यक्ष (2022-2026)।

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप खिताब:

- | | |
|------|-----------------------------|
| 2000 | FIDE विश्व शतरंज चैंपियन |
| 2007 | विश्व शतरंज चैंपियन |
| 2008 | व्लादिमीर क्रैमनिक को हराया |
| 2010 | वेसेलिन टोपालोव को हराया |
| 2012 | बोरिस गेलफैंड को हराया |

विश्वनाथन आनंद के बारे में

विश्वनाथन आनंद द्वारा प्राप्त प्रमुख राष्ट्रीय सम्मान:

- अर्जुन पुरस्कार: 1985
- पद्म श्री : 1987
- राजीव गांधी खेल रत्न (प्रथम प्राप्तकर्ता): 1991-92
- पद्म भूषण: 2000
- पद्म विभूषण: 2007

FIDE के बारे में

- अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) शतरंज का वैश्विक शासी निकाय है।
- फुल फॉर्म: इंटरनेशनल चैस फेडरेशन
- स्थापना: 20 जुलाई 1924
- मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड

FIDE शीर्षक:

- शीर्षक: पात्रता
- ग्रैंडमास्टर (जीएम): उच्चतम खुला खिताब
- इंटरनेशनल मास्टर (आईएम): दूसरा सबसे बड़ा खिताब
- फिडे मास्टर (एफएम): रेटिंग मानदंडों के आधार पर सम्मानित किया गया
- कैंडिडेट मास्टर (सीएम): पंटी-लेवल फिडे टाइटल
- महिला ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम): सर्वोच्च महिला खिताब

अंतरिम राष्ट्रपति क्या है?

- एक अंतरिम राष्ट्रपति अस्थायी रूप से राष्ट्रपति के कार्यों को करता है जब अवलंबी इस्तीफे, निलंबन, अक्षमता या किसी अन्य कानूनी कारण से आधिकारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में असमर्थ होता है।

भूमिका

- प्रशासन की निरंतरता सुनिश्चित करें।
- दिन-प्रतिदिन के कामकाज की देखरेख करें।
- संगठनात्मक नियमों के तहत राष्ट्रपति की शक्तियों का प्रयोग करें।
- संस्थागत स्थिरता बनाए रखें।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- अंतरिम अध्यक्ष: विश्वनाथन आनंद।
- संगठन: FIDE (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ)।
- नियुक्ति का कारण: यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के बाद अर्कडी ड्वोरकोविच के कर्तव्यों का निलंबन।
- आनंद का पिछला पद: फिडे के उपाध्यक्ष।
- FIDE की स्थापना: 1924।
- मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड।
- आदर्श वाक्य: जेन्स ऊना सुमुसा।
- पहले भारतीय ग्रैंडमास्टर: विश्वनाथन आनंद (1988)।
- विश्व शतरंज चैम्पियनशिप खिताब: पांच।
- FIDE चुनाव 2026 स्थान: समरकंद, उज्बेकिस्तान।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया



- राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था।
- वह अप्रैल 2023 में बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति बने।
- इस्तीफा बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 50 (3) के तहत सौंपा गया था।

- स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद ने अनुच्छेद 54 के तहत कार्यवाहक राष्ट्रपति की भूमिका निभाई।
- संविधान के अनुसार नए राष्ट्रपति का चुनाव किया जाएगा।
- मोहम्मद शहाबुद्दीन एक पूर्व न्यायाधीश, वकील और स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्होंने बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम में भाग लिया था।

राष्ट्रपति का चुनाव:

- जातीय संसद (संसद) द्वारा निर्वाचित।
- पांच साल का कार्यकाल पूरा करता है।
- एक बार फिर से चुनाव के लिए पात्र।

कार्यालय में रक्ति:

- यदि राष्ट्रपति इस्तीफा दे देता है, मर जाता है, या कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ होता है, तो संसद के अध्यक्ष राष्ट्रपति के रूप में तब तक कार्य करते हैं जब तक कि एक नया राष्ट्रपति नहीं चुना जाता है।

प्रासंगिक संवैधानिक अनुच्छेद:

- लेख: प्रावधान
- अनुच्छेद 48: राष्ट्रपति का कार्यालय
- अनुच्छेद 50(3): राष्ट्रपति का त्यागपत्र
- अनुच्छेद 54: अध्यक्ष रिक्ति के दौरान राष्ट्रपति के कार्यों का निर्वहन करेगा

बांग्लादेश के राष्ट्रपति:

- राष्ट्रपति बांग्लादेश के संवैधानिक राष्ट्राध्यक्ष होते हैं।

शक्तियां और कार्य

- प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है।
- मुख्य न्यायाधीश और संवैधानिक प्राधिकारियों की नियुक्ति करता है।
- सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर।
- क्षमा और राहत प्रदान करता है।
- संवैधानिक और औपचारिक कार्य करता है।

- नोट: बांग्लादेश की संसदीय प्रणाली के तहत, कार्यकारी शक्ति का प्रयोग प्रधान मंत्री और मंत्रिपरिषद द्वारा किया जाता है।

बांग्लादेश के बारे में:

- राजधानी: ढाका
- मुद्रा: बांग्लादेशी टका (BDT)
- राष्ट्रीय संसद: जातीय संसद
- पड़ोसी देश
- भारत
- म्यांमार
- प्रमुख नदियाँ
- गंगा (पद्मा)
- ब्रह्मपुत्र (जमुना)
- मेघना

भारत-बांग्लादेश संबंध:

भारत और बांग्लादेश निम्नलिखित क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग बनाए रखते हैं:

- व्यापार और कनेक्टिविटी।
- अंतर्देशीय जलमार्ग।
- ऊर्जा और शक्ति।
- सुरक्षा और सीमा प्रबंधन।
- संस्कृति और शिक्षा।
- बिम्सटेक और बीबीआईएन पहल।

प्रमुख कनेक्टिविटी परियोजनाएं:

- मैत्री एक्सप्रेस (कोलकाता-ढाका)।
- बंधन एक्सप्रेस।
- मेडल एक्सप्रेस।
- अखौरा-अगरतला रेल लिंक।
- भारत-बांग्लादेश अंतर्देशीय जल पारगमन।
- बांग्लादेश मुक्ति संग्राम (1971)
- बांग्लादेश के निर्माण का नेतृत्व किया।
- भारत ने बांग्लादेश की मुक्ति का समर्थन करने में निर्णायक भूमिका निभाई।
- 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के आत्मसमर्पण के साथ युद्ध समाप्त हुआ, जिसे बांग्लादेश में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सार्क:

- बांग्लादेश दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) का संस्थापक सदस्य है।
- स्थापित: 1985
- महासचिव: गुलाम सरवर
- अध्यक्षता: बांग्लादेश
- मुख्यालय: काठमांडू, नेपाल
- सदस्य: अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका

बिम्सटेक:

- बांग्लादेश बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्सटेक) का संस्थापक सदस्य भी है।
- अध्यक्षता: बांग्लादेश (मार्च 2025 से)[5]
- महासचिव: भारत (2023 से)

- सदस्य
- बांग्लादेश

• भूटान
• भारत
• म्यांमार
• नेपाल
• श्रीलंका
• थाईलैंड

अतिरिक्त तथ्य:

- बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम
- जारी करने का वर्ष: 1971.
- भारत ने 6 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश को मान्यता दी।
- पाकिस्तान ने 16 दिसंबर 1971 को आत्मसमर्पण कर दिया था।
- बांग्लादेश अर्थव्यवस्था
- रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) के दुनिया के अग्रणी निर्यातकों में से एक।
- प्रमुख क्षेत्रों में कपड़ा, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स और जहाज निर्माण शामिल हैं।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• देश: बांग्लादेश।
• राष्ट्रपति पद से इस्तीफा: मोहम्मद शहाबुद्दीन।
• कारण: स्वास्थ्य जटिलताएं।
• (कार्यवाहक) के स्थान पर अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद।
• इस्तीफे के लिए संवैधानिक प्रावधान: अनुच्छेद 50(3)।
• कार्यवाहक राष्ट्रपति प्रावधान: अनुच्छेद 54.
• राजधानी: ढाका।
• मुद्रा: बांग्लादेशी टका।
• संसद: जातीय संसद।
• सरकारी प्रणाली: संसदीय गणराज्य।
• राष्ट्रपति ने पदभार ग्रहण किया: अप्रैल 2023।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वोल्कर तुर्क को दूसरे कार्यकाल के लिए मानवाधिकार प्रमुख के रूप में फिर से नियुक्त किया



यह खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इजराइल और रूस के विरोध के बावजूद, वोल्कर तुर्क को दूसरे चार साल के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (UNHCHR) के रूप में फिर से नियुक्त किया है। इसके पक्ष में उन्हें 144 वोट मिले, जबकि 10 देशों ने इसके खिलाफ मतदान किया और 13 अनुपस्थित रहे।

पृष्ठभूमि और महत्व

- ऑस्ट्रियाई वकील वोल्कर तुर्क 2022 में मानवाधिकारों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त बने।

- मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त दुनिया भर में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए जिम्मेदार संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी हैं।
- अपने पहले कार्यकाल के दौरान, तुर्क ने रूस (यूक्रेन युद्ध), इजराइल (गाजा संघर्ष), चीन (उइगर मुद्दा), और संयुक्त राज्य अमेरिका (आव्रजन हिरासत) सहित कई देशों के मानवाधिकार रिकॉर्ड की आलोचना की।
- उनकी पुनर्नियुक्ति विवादास्पद हो गई क्योंकि अमेरिका, इजराइल और रूस ने तर्क दिया कि नामांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी है और उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाया गया है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रणाली की स्वतंत्रता की पुष्टि करता है।
- वैश्विक मानवाधिकार मुद्दों पर प्रमुख शक्तियों के बीच विभाजन पर प्रकाश डालता।
- संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख नियुक्तियों को मंजूरी देने में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिकार को प्रदर्शित करता है।
- कार्यालय मानवाधिकारों के उल्लंघन की निगरानी करने और मानवाधिकारों की सुरक्षा पर सरकारों को सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (UNHCHR) के बारे में

विशेष विवरण

• स्थापित	1993
• द्वारा बनाया गया	संयुक्त राष्ट्र महासभा
• हेडक्वार्टर्स	जिनेवा, स्विट्जरलैंड
• वर्तमान कार्यालय धारक	वोल्कर तुर्क (ऑस्ट्रिया)
• अवधि	4 वर्ष (नवीकरणीय)
• मुख्य भूमिका	दुनिया भर में मानवाधिकारों को बढ़ावा देना और उनकी रक्षा करना

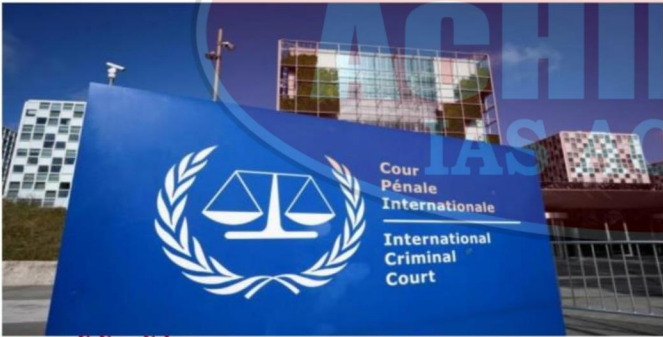
आगे की राह

- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रणाली की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता को मजबूत करना।
- संयुक्त राष्ट्र और सदस्य देशों के बीच रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना।
- संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख पदों पर भविष्य की नियुक्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करें।
- वैश्विक मानवाधिकार चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना।

परीक्षा फोकस पॉइंट

• समाचार में व्यक्ति: वोल्कर तुर्क।
• देश: ऑस्ट्रिया।
• पद: मानवाधिकार के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीएचआर)।
• मुख्यालय: जिनेवा, स्विट्जरलैंड।
• स्थापित: 1993।
• द्वारा पुनर्नियुक्त: संयुक्त राष्ट्र महासभा।
• अवधि: 4 वर्ष।
• वोट: 144-10, 13 अनुपस्थिति के साथ।
• विरोधी देश: संयुक्त राज्य अमेरिका, इजराइल और रूस।

वेनेजुएला ने पक्षपात का आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) से हटने का फैसला किया



यह खबरों में क्यों है?

- वेनेजुएला ने आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) से हटने के अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया है। सरकार ने आईसीसी पर "भौगोलिक पूर्वाग्रह" दिखाने का आरोप लगाया, यह दावा करते हुए कि यह अफ्रीका और लैटिन अमेरिका (ग्लोबल साउथ) के देशों को असमान रूप से लक्षित करता है।

- नवीनतम निर्णय औपचारिक रूप से वेनेजुएला की वापसी प्रक्रिया शुरू करता है। रोम कानून के अनुच्छेद 127 के तहत, संयुक्त राष्ट्र को अधिसूचना के एक साल बाद वापसी प्रभावी होती है। चल रही जांच स्वचालित रूप से समाप्त नहीं होती है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थानों की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठाता है।
- कुछ देशों और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के बीच बढ़ते तनाव पर प्रकाश डालना।
- गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को प्रभावित कर सकता है।
- अंतरराष्ट्रीय कानून, वैश्विक शासन और रोम संविधि को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) के बारे में

विशेष	विवरण
• स्थापित	2002
• द्वारा स्थापित	रोम कानून (1998)
• हेडक्वार्टर्स	हेग, नीदरलैंड
• प्रकृति	स्थायी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय

पृष्ठभूमि और महत्व

- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) दुनिया की पहली स्थायी अदालत है जो नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराधों, युद्ध अपराधों और आक्रामकता के अपराध के लिए व्यक्तियों पर मुकदमा चलाती है।
- वेनेजुएला 2017 में सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर सरकार की कार्रवाई के दौरान मानवता के खिलाफ कथित अपराधों को लेकर 2021 से आईसीसी जांच के दायरे में है।
- दिसंबर 2025 में, वेनेजुएला की नेशनल असेंबली ने आईसीसी की स्थापना करने वाली संधि रोम कानून से हटने के लिए मतदान किया।

- अपराधों की कोशिश करता है नरसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध, युद्ध अपराध, आक्रामकता का अपराध
- अधिकार-क्षेत्र व्यक्तियों (राज्यों को नहीं) की कोशिश करता है जब राष्ट्रीय अदालतें मुकदमा चलाने के लिए अनिच्छुक या असमर्थ होती हैं
- निकासी खंड रोम कानून का अनुच्छेद 127

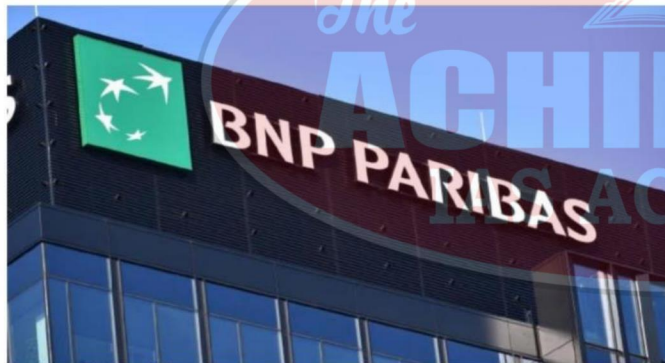
आगे की राह

- अंतरराष्ट्रीय न्यायिक संस्थानों की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को मजबूत करना।
- सदस्य देशों और आईसीसी के बीच रचनात्मक जुड़ाव को प्रोत्साहित करना।
- अंतरराष्ट्रीय न्याय में विश्वास बढ़ाने के लिए पारदर्शिता और सहयोग में सुधार करना।
- अंतरराष्ट्रीय कानूनी तंत्र के माध्यम से गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करना जारी रखें।

परीक्षा फोकस पॉइंट

- समाचार में देश: वेनेजुएला।
- संगठन: अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी)।
- मुख्यालय: हेग, नीदरलैंड।
- द्वारा स्थापित: रोम कानून (1998)।
- तब से परिचालन: 2002।
- निकासी प्रावधान: रोम कानून का अनुच्छेद 127।
- वापसी का कारण: ग्लोबल साउथ के खिलाफ कथित भौगोलिक पूर्वाग्रह।
- मुख्य तथ्य: निकासी स्वचालित रूप से चल रही आईसीसी जांच को नहीं रोकती है।

बीएनपी परिबास कार्डिफ इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26% हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी



यह खबरों में क्यों है?

- फ्रांस के बीएनपी परिबास समूह की बीमा शाखा बीएनपी परिबास कार्डिफ ने वारबर्ग पिकस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26% हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सौदे से बीएनपी परिबास कार्डिफ को भारतीय जीवन बीमा कंपनी में रणनीतिक शेयरधारक बनाया जाएगा, जो नियामकीय मंजूरी के अधीन होगा।

पृष्ठभूमि और महत्व

- इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस की स्थापना 2009 में बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और लीगल एंड जनरल (यूके) के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी।
- 2019 में, वैश्विक निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिकस ने कंपनी में 26% हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया।
- इस अधिग्रहण के माध्यम से, बीएनपी परिबास कार्डिफ विदेशी रणनीतिक निवेशक के रूप में वारबर्ग पिकस की जगह लेगा।

- यह सौदा भारत के बढ़ते जीवन बीमा बाजार में वैश्विक बीमाकर्ताओं की बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

वर्तमान शेयरधारिता (प्रस्तावित सौदे के बाद)

पत्नीदार हिस्सेदारी

- बैंक ऑफ बड़ौदा 65%
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 9%
- बीएनपी परिबास कार्डिफ 26%

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- भारत के बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश (एफडीआई) को मजबूत करता है।
- दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजारों में से एक में बीएनपी परिबास कार्डिफ की उपस्थिति को बढ़ाता है।
- बीमा उत्पादों, डिजिटल नवाचार और जोखिम प्रबंधन में वैश्विक विशेषज्ञता लाता है।
- यह भारत के दीर्घकालिक वित्तीय सेवा क्षेत्र में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

बीएनपी परिबास कार्डिफ के बारे में

विशेष विवरण

- भूक्षेत्र फ्रांस

● मूल कंपनी	बीएनपी परिबास समूह
● व्यापार	बीमा (जीवन और सामान्य बीमा)
● स्थापित	1973
● हेडक्वार्टर्स	पेरिस, फ्रांस

इंडियाफर्स्ट लाइफ इश्योरेंस के बारे में

विशेष	विवरण
● स्थापित	2009
● क्षेत्र	जीवन बीमा
● हेडक्वार्टर्स	मुंबई, महाराष्ट्र
● प्रमोटर	बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

आगे की राह

- लेन-देन पूरा करने के लिए IRDAI और अन्य नियामक प्राधिकरणों से अनुमोदन प्राप्त करें।

रघु वामसी एयरोस्पेस तेलंगाना में 600 करोड़ रुपये का एकीकृत सुपरअलॉय संयंत्र स्थापित करेगा



- रघु वामसी एयरोस्पेस समूह ने तेलंगाना में 50 एकड़ की एकीकृत निकल-आधारित सुपरअलॉय विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा की है। यह घोषणा यूनाइटेड किंगडम में फ़ार्नबोरो इंटरनेशनल एयरशो 2026 के दौरान की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य भारत के एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम को मजबूत करना, आयातित सुपरअलॉय पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देना है। इस सुविधा के जनवरी 2028 तक 5,000 टन की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। इसका नेतृत्व मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) के पूर्व सीएमडी डॉ. एसके झा करेंगे।

सुपरअलॉय क्या हैं?

- सुपरअलॉय उच्च प्रदर्शन वाले मिश्र धातु हैं जो बहुत उच्च तापमान पर अपनी ताकत, संक्षारण प्रतिरोध और यांत्रिक गुणों को बनाए रखते हैं। उनमें से,

- भारत में बीमा प्रवेश और उत्पाद नवाचार में सुधार के लिए बीएनपी परिबास कार्डिफ की वैश्विक विशेषज्ञता का लाभ उठाएं।
- वंचित ग्राहकों तक पहुंचने के लिए डिजिटल बीमा समाधानों का विस्तार करें।

परीक्षा फोकस पॉइंट

● क्रेता: बीएनपी परिबास कार्डिफ (फ्रांस)।
● विक्रेता: वारबर्ग पिकसा।
● लक्ष्य कंपनी: इंडियाफर्स्ट लाइफ इश्योरेंस।
● अधिग्रहित: 26%।
● मूल कंपनी: बीएनपी परिबास समूह।
● इंडियाफर्स्ट लाइफ की स्थापना: 2009।
● मुख्यालय: मुंबई।
● प्रमुख नियामक: भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)।

निकल-आधारित सुपरअलॉय अपने उत्कृष्ट गर्मी प्रतिरोध और स्थायित्व के कारण सबसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

सुपरअलॉय के अनुप्रयोग:

- निकेल-आधारित सुपरअलॉय विमान इंजन, अंतरिक्ष प्रणालियों, रक्षा उपकरण, गैस टर्बाइन, परमाणु रिएक्टरों, तेल और गैस उपकरण, चिकित्सा प्रत्यारोपण और उभरती हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। नई सुविधा वैक्यूम पिघलने, वैक्यूम कास्टिंग, फोर्जिंग, गर्मी उपचार और पाउडर धातु विज्ञान जैसी उन्नत प्रक्रियाओं का उपयोग करके गोल बार, तार, फोर्जिंग, कास्टिंग, कास्टिंग, टंगस्टन कार्बाइड पाउडर और अन्य विशेष उत्पादों का निर्माण करेगी।

परियोजना का महत्व:

- यह परियोजना आयातित रणनीतिक सामग्रियों पर भारत की निर्भरता को कम करेगी, घरेलू एयरोस्पेस और रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगी, स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देगी, निवेश आकर्षित करेगी, कुशल रोजगार पैदा करेगी और वैश्विक एयरोस्पेस मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी बढ़ाएगी।

रघु वामसी एयरोस्पेस ग्रुप के बारे में:

- रघु वामसी एयरोस्पेस ग्रुप हैदराबाद स्थित एक सटीक इंजीनियरिंग और डीप-टेक कंपनी है जो एयरोस्पेस, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में सेवा प्रदान करती है। यह महत्वपूर्ण एयरो-इंजन घटकों का निर्माण करती है और जीई एयरोस्पेस, प्रैट एंड विहटनी, हनीवेल, सफ्रान और कॉलिनस एयरोस्पेस जैसी प्रमुख वैश्विक कंपनियों की आपूर्ति करती है।

मिधानी के बारे में:

- मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी) रक्षा मंत्रालय के तहत एक मिनी रत्न श्रेणी-I पीएसयू है। 1973 में स्थापित और हैदराबाद में मुख्यालय, यह रणनीतिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले विशेष धातुओं, सुपरअलॉय, टाइटेनियम मिश्र धातुओं और विशेष स्टील्स का भारत का प्रमुख उत्पादक है।

फ़ार्नबोरो इंटरनेशनल एयरशो के बारे में:

- फ़ार्नबोरो इंटरनेशनल एयरशो दुनिया की अग्रणी द्विवार्षिक एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनियों में से एक है, जो यूनाइटेड किंगडम के फ़ार्नबोरो में आयोजित की जाती है, जो विमानन, रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में नवीनतम विकास को प्रदर्शित करती है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- | |
|--|
| परियोजना: एकीकृत निकेल-आधारित सुपरअलॉय विनिर्माण सुविधा। |
| कंपनी: रघु वामसी एयरोस्पेस ग्रुप। |
| निवेश: ₹600 करोड़। |
| स्थान: तेलंगाना। |
| क्षेत्रफल: 50 एकड़। |
| उत्पादन क्षमता: 5,000 टन प्रति वर्ष। |
| वाणिज्यिक उत्पादन: जनवरी 2028। |
| परियोजना प्रमुख: डॉ. एस. के. झा। |
| संबंधित पीएसयू: मिधानी। |

यूनेस्को ने सेबेस्टिया (वेस्ट बैंक) और माउंट अमेल कैसल (लेबनान) को विश्व धरोहर सूची में जोड़ा



सेबेस्टिया (फिलिस्तीन राज्य) और माउंट अमेल कैसल (लेबनान) को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में जोड़ा गया।

- दोनों स्थलों को एक साथ खतरे में विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया था।
- दक्षिण कोरिया के बुसान में यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान शिलालेखों को मंजूरी दी गई।
- इजराइल ने शिलालेखों का विरोध करते हुए तर्क दिया कि उन्होंने साइट की यहूदी और ईसाई विरासत और सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया।

सेबेस्टिया के बारे में:

- वेस्ट बैंक में नबल्स के पास स्थित सेबेस्टिया की पहचान लौह युग के दौरान इजराइल साम्राज्य की राजधानी सामरिया के प्राचीन शहर से की जाती है। यह स्थल कई सभ्यताओं के अवशेषों को संरक्षित करता है, जिनमें असीरियन,

बेबीलोनियाई, फ़ारसी (अचमेनिड), हेलेनिस्टिक, रोमन, बीजान्टिन, इस्लामी, क्रूसेडर, अय्युबिद, मामलुक और ओटोमन काल शामिल हैं। यह जॉन द बैपटिस्ट के पारंपरिक दफन स्थान से भी जुड़ा हुआ है।

माउंट अमेल कैसल के बारे में:

माउंट अमेल शिलालेख में दक्षिणी लेबनान में पांच ऐतिहासिक महल शामिल हैं:

- | |
|--------------------------------|
| ब्यूफोर्ट कैसल (कलात अल चाकिफ) |
| टोरन कैसल (कलात टिबनिन) |
| दुबीह कैसल (कलात चक्र) |
| मैरोन कैसल (कलात दीर किफ़ा) |
| चामा 'कैसल (कलात चामा) |

- ये किलेबंदी लगभग नौ शताब्दियों की सैन्य वास्तुकला को दर्शाती हैं, जो क्रूसेडर, अय्युबी, मामलुक, ओटोमन और स्थानीय स्थापत्य परंपराओं को जोड़ती हैं।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची:

- यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित स्थल शामिल हैं जिन्हें उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य (ओयूवी) माना जाता है और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षा के योग्य हैं।

श्रेणियाँ:

- सांस्कृतिक विरासत।
- प्राकृतिक विरासत।
- मिश्रित विरासत।

खतरे में विश्व धरोहर की सूची:

- खतरे में विश्व धरोहर की सूची गंभीर खतरों का सामना करने वाले विश्व धरोहर स्थलों की पहचान करती है जैसे:

- सशस्त्र संघर्ष।
- प्राकृतिक आपदाएं।
- शहरीकरण।
- प्रदूषणकारी पदार्थ।
- अवैध निर्माण।
- जलवायु परिवर्तन।

- इसका उद्देश्य संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाना है।

यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति:

- विश्व धरोहर समिति 1972 के विश्व धरोहर सम्मेलन को लागू करने और नए शिलालेखों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है।
- के तहत स्थापित 1972 विश्व धरोहर सम्मेलन
- सदस्य 21 राज्य पार्टियां
- से चुने गए 196 राज्य पार्टियां
- बैठक आवृत्ति साल में एक बार
- 48वां सत्र (2026) बुसान, कोरिया गणराज्य

यूनेस्को के बारे में:

- फुल फॉर्म संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- स्थापित 1945
- हेडक्वार्टर्स पेरिस, फ्रांस
- महानिदेशक खालिद अल-एनानी
- मूल संगठन संयुक्त राष्ट्र

विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972:

- विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन को 1972 में यूनेस्को द्वारा उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के स्थलों की पहचान, सुरक्षा और संरक्षण के लिए अपनाया गया था।

भारत और सम्मेलन:

- भारत द्वारा अनुमोदित: 1971।
- भारत के विश्व धरोहर स्थल (2026): 44 (36 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक, 1 मिश्रित)।

फिलिस्तीन और यूनेस्को:

- फिलिस्तीन राज्य 2011 में यूनेस्को का सदस्य बन गया।
- सेबेस्टिया के शिलालेख के साथ, फिलिस्तीन में अब छह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं।

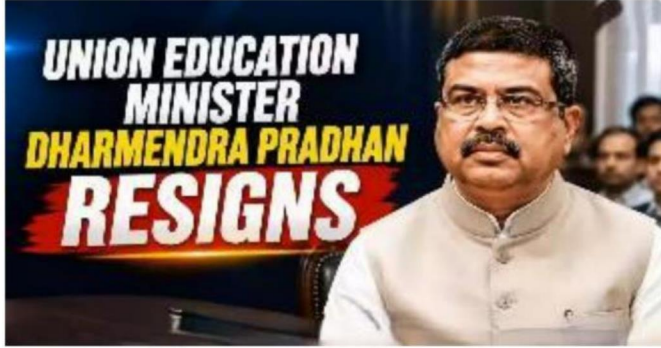
अतिरिक्त तथ्य:

- यूनेस्को मुख्यालय
- पेरिस, फ्रांस।
- भारत का नवीनतम यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
- प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ (वाराणसी) को विश्व धरोहर समिति (2026) के 48वें सत्र के दौरान अंकित किया गया था।
- भारत में मिश्रित विश्व धरोहर स्थल
- कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान (सिक्किम)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- संगठन: यूनेस्को।
- समिति सत्र: 48 वीं विश्व धरोहर समिति।
- स्थान: बुसान, कोरिया गणराज्य।
- नई विश्व धरोहर स्थल: सेबेस्टिया (फिलिस्तीन राज्य) और माउंट अमेल महल (लेबनान)।
- इसमें भी जोड़ा गया: खतरे में विश्व धरोहर की सूची।
- यूनेस्को मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस।
- विश्व धरोहर सम्मेलन: 1972।
- फिलिस्तीन यूनेस्को सदस्यता: 2011।
- फिलिस्तीन की विश्व धरोहर स्थल: 6.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा



- धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।
- यह इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंप दिया गया है।
- परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद यह प्रदर्शन किया गया था।
- प्रधान ने कहा कि वह नैतिक जिम्मेदारी ले रहे हैं और इस बात पर जोर दे रहे हैं कि "परीक्षा माफिया" के खिलाफ सुधार जारी रहेंगे।
- केंद्र सरकार ने इससे पहले भविष्य की नीट परीक्षाओं के लिए सीबीआई जांच, पुनः परीक्षा, कंप्यूटर आधारित परीक्षण (सीबीटी) और पेपर लीक रोधी कानून जैसे उपायों की घोषणा की थी।

शिक्षा मंत्रालय के बारे में:

- शिक्षा मंत्रालय (MoE) स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास से संबंधित नीतियों को तैयार करने और लागू करने के लिए जिम्मेदार है।

प्रमुख विभाग:

- स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग।
- उच्च शिक्षा विभाग।

प्रमुख कार्य:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण।
- उच्च शिक्षा संस्थानों का प्रशासन।
- अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना।
- शैक्षिक सुधारों का कार्यान्वयन।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP), 2020 का उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को निम्नलिखित के माध्यम से बदलना है:

- बहु-विषयक शिक्षा।
- समग्र और लचीली शिक्षा।
- प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई)।

- राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ)।
- डिजिटल शिक्षा।
- उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण।
- व्यावसायिक शिक्षा।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA):

- नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है जो प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए जिम्मेदार है।
- स्थापित: 2018
- मुख्यालय: नई दिल्ली

प्रमुख परीक्षाएं:

- नीट (यूजी)।
- जेईई मेन।
- सीयूईटी (यूजी और पीजी)।
- यूजीसी-नेट।
- एनसीईटी।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद

- केंद्रीय मंत्रिपरिषद की अध्यक्षता प्रधान मंत्री द्वारा की जाती है और यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 74 और 75 के तहत कार्य करती है।

संवैधानिक प्रावधान:

- लेख: प्रावधान
- अनुच्छेद 74: राष्ट्रपति की सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद।
- अनुच्छेद 75: मंत्रियों की नियुक्ति, कार्यकाल, सामूहिक जिम्मेदारी और इस्तीफा।

- एक केंद्रीय मंत्री प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति की इच्छा के दौरान पद धारण करता है।

केंद्रीय मंत्री की संवैधानिक स्थिति:

- प्रधान मंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- एक मंत्री प्रधानमंत्री को इस्तीफा सौंपकर इस्तीफा दे सकता है, जो राष्ट्रपति को इसकी स्वीकृति पर सलाह देता है।

- मंत्रिपरिषद् अनुच्छेद 75(3) के तहत सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

- रिजाइनिंग मिनिस्टर: धर्मेन्द्र प्रधान।
- पोर्टफोलियो: केंद्रीय शिक्षा मंत्री।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा गया इस्तीफा।
- संबंधित मंत्रालय: शिक्षा मंत्रालय।

- प्रमुख एजेंसी: राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए)।
- प्रासंगिक संवैधानिक अनुच्छेद: 74 और 75।
- संबंधित नीति: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020।
- संबंधित कानून: सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024।

लेट्स रिवाइज

- ❖ पेपर लीक के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने के लिए किस अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव है? **सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024**
- ❖ किस रोमानियाई विश्वविद्यालय ने 2026 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया? **बुखारेस्ट यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज (एएसई)।**
- ❖ व्हाट डज भव्य रसायन स्कीम स्टैंड्स फॉर? **भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन**
- ❖ भव्य रसायन योजना का कुल वित्तीय परिव्यय क्या है? **₹3,030 करोड़**
- ❖ भव्य रसायन योजना के तहत कितने रासायनिक पार्क स्थापित किए जाएंगे? **तीन-त्रि।**
- ❖ 2026 में FIDE के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में किसने कार्यभार संभाला है? **विश्वनाथन आनंद।**
- ❖ जुलाई 2026 में बांग्लादेश के राष्ट्रपति पद से किसने इस्तीफा दिया? **मोहम्मद शहाबुद्दीन।**
- ❖ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त (यूएनएचसीएचआर) के रूप में किसे फिर से नियुक्त किया गया है? **वोल्कर तुर्क।**
- ❖ वोल्कर तुर्क किस देश से संबंधित है? **ऑस्ट्रिया।**
- ❖ संयुक्त राष्ट्र के किस निकाय ने वोल्कर तुर्क को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया? **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)।**

- ❖ हाल ही में किस देश ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) से हटने का फैसला किया है? **वेनेज़ुएला**।
- ❖ किस संधि ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की स्थापना की? **रोम क़ानून (1998)**।
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) किस वर्ष में चालू हुआ? **2002**.
- ❖ अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) का मुख्यालय कहाँ है? **हेग, नीदरलैंड**।
- ❖ रोम क़ानून का कौन सा अनुच्छेद आईसीसी से किसी राज्य की वापसी को नियंत्रित करता है? **रोम संविधि का अनुच्छेद 127**।
- ❖ हाल ही में किस कंपनी ने इंडियाफ़र्स्ट लाइफ़ इंश्योरेंस में 26% हिस्सेदारी हासिल करने पर सहमति व्यक्त की है? **बीएनपी परिबास कार्डिफ़**।
- ❖ बीएनपी परिबास कार्डिफ़ किस देश से संबंधित है? **फ़्रांस**।
- ❖ बीएनपी परिबास कार्डिफ़ इंडियाफ़र्स्ट लाइफ़ इंश्योरेंस में 26% हिस्सेदारी किससे प्राप्त कर रहा है? **वारबर्ग पिकसा**।
- ❖ बीएनपी परिबास कार्डिफ़ इंडियाफ़र्स्ट लाइफ़ इंश्योरेंस में कितने प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगा? **26%**।
- ❖ किस कंपनी ने तेलंगाना में एक एकीकृत सुपरअलॉय विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए ₹600 करोड़ के निवेश की घोषणा की है? **रघु वामसी एयरोस्पेस ग्रुप**।
- ❖ 2026 में 48वें विश्व धरोहर समिति सत्र के दौरान कौन सी दो नई विरासत संपत्तियों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में जोड़ा गया? **सेबेस्टिया (फिलिस्तीन राज्य) और माउंट अमेल कैसल (लेबनान)**।
- ❖ किस केंद्रीय मंत्री ने परीक्षा संबंधी विरोध के बीच जुलाई 2026 में इस्तीफा दे दिया? **धर्मेन्द्र प्रधान**।



The **ACHIEVERS** IAS ACADEMY PATNA

Daily **NEWS CHRONICLE**

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US



+91 8434931877



achievers_ias_patna



PATLIPUTRA GOLAMBAR



ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC)



achieversiaspatna@gmail.com



Achievers IAS Academy



www.achieversiaspatna.co.in



Achievers IAS Academy, PATNA